University in News on 13 June 2020

University of Lucknow | Centenary Year
लखनऊ विश्वविद्यालय | शताब्दी वर्ष

100 Years 1920-2020

AMAR UJALA MY CITY Page 5

नैक की जनरल काउंसिल के सदस्य बने प्रो. आलोक

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष और नैक की सामान्य परिषद के अध्यक्ष प्रो. डीपी सिंह ने राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (नैक) की जनरल काउंसिल के सदस्य के रूप में नामित किया है। लविवि प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि जनरल काउंसिल के सदस्य के रूप में पूरे देश से केवल चार व्यक्तियों को ही नामित किया जाता है। प्रो. राय तीन साल तक इसके सदस्य रहेंगे।

एलयू : अब 30 जून तक बढ़ी आवेदन तिथि

लखनऊ। लॉकडाउन के चलते एक बार फिर लखनऊ विश्वविद्यालय की आवेदन फॉर्म भरने की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। अब अभ्यर्थी 30 तक आवेदन कर सकते हैं। बोर्ड परीक्षा के रिजल्ट जारी न होने की वजह से पर्याप्त संख्या में आवेदन नहीं आ रहे हैं। इसको देखते हुए लविवि में विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन करने की अंतिम तारीख एक बार फिर से बढ़ा दी गई है। विश्वविद्यालय में स्नातक, परास्नातक, स्नातक प्रबंधन, बीपीएड और एमपीएड पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन फॉर्म विवि की वेबसाइट lkouniv.ac.in पर उपलब्ध लिंक के माध्यम से भरे जा सकते हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय में स्नातक की करीब साढ़े तीन हजार और परास्नातक की करीब साढ़े चार हजार सीट हैं। इन सीटों पर दाखिले प्रवेश परीक्षा के माध्यम से करना प्रस्तावित है। लॉकडाउन की वजह से विवि प्रशासन इससे पहले भी आवेदन की अंतिम तारीख बढ़ा चुका है। स्थिति सामान्य होने पर प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। लविवि में बीटेक तथा एमबीए के दाखिले राज्य प्रवेश परीक्षा के माध्यम से लिए जाएंगे। उधर, कालीचरण पीजी कॉलेज ने ऑनलाइन के साथ ही ऑफलाइन आवेदन प्रक्रिया भी शुरू कर दी है।

मास प्रमोशन पर छात्र एकमत नहीं

लविवि : कोरोना के चलते परीक्षा से बच रहे, वहीं मास प्रमोशन भी नहीं चाहते छात्र

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विवि में तीन शिक्षकों के कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद शिक्षक और कर्मचारियों के साथ ही विद्यार्थी भी दहशत में हैं। विद्यार्थियों की दहशत परीक्षा आयोजन को लेकर भी है। इसके बावजूद बिना परीक्षा मास प्रमोशन पर विद्यार्थी एकमत नहीं हैं। कुछ सुरक्षा कारणों की वजह से मास प्रमोशन की मांग कर रहे हैं, जबकि काफी विद्यार्थी मास प्रमोशन के बजाय किसी अन्य विकल्प के पक्ष में हैं।

तीन शिक्षकों के कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद दहशत

मास प्रमोशन के मुद्दे पर लविवि के पेज पर विद्यार्थी अभियान भी चला रहे हैं। विद्यार्थियों का कहना है कि उनके स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए बिना परीक्षा के ही उन्हें अगली कक्षा में प्रोन्नत किया जाना चाहिए। विद्यार्थियों ने आरोप लगाया है कि लविवि का ऑनलाइन क्लास का दावा सही नहीं है। आधे से ज्यादा विद्यार्थियों ने ऑनलाइन क्लास नहीं की है। इसकी वजह उनके पास पर्याप्त संसाधन न होना है। इन सबको को ध्यान में रखते हुए लविवि को मास प्रमोशन करना चाहिए। वहीं दूसरी तरफ काफी विद्यार्थियों का कहना है कि भले ही लिखित परीक्षा न हो पर मास प्रमोशन भी सही नहीं है। इससे उनका कैरिअर खराब होगा। भले ही कुछ देरी हो पर मास प्रमोशन नहीं होना चाहिए।

एबीवीपी मास प्रमोशन के खिलाफ

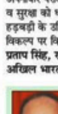

एबीवीपी ने इस मुद्दे पर विद्यार्थियों से संवाद किया तो छात्र मास प्रमोशन की अपेक्षा कैरी ओवर, ओपन बुक, प्रोजेक्ट वर्क, वाइवा, निर्धारित कोर्स, सतत् विद्यार्थी मूल्यांकन सहित विभिन्न परीक्षा पद्धतियों को अपनाकर परीक्षा के पक्ष में दिखे। छात्रों के स्वास्थ्य व सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बिना किसी हड़बड़ी के उचित परिस्थितियों में परीक्षा के विकल्प पर विचार किया जाना चाहिए। - अजीत प्रताप सिंह, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद

सुरक्षा का रखा जाए ध्यान

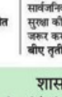

अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों की परीक्षाएं महत्वपूर्ण हैं। इसी परीक्षा पर उनका भविष्य तय होता है। हमें परीक्षा देने में कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन विवि प्रशासन को परीक्षा संबंधी कोई निर्णय लेने से पहले सार्वजनिक परिवहन की स्थिति व सुरक्षा की परिस्थितियों का आकलन जरूर करना चाहिए। -किशन सिंह, बीए तृतीय वर्ष, लविवि

अन्य विकल्पों पर हो विचार

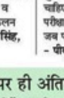

विवि प्रशासन को लिखित परीक्षा के अलावा परीक्षा के अन्य विकल्पों पर भी विचार करना चाहिए, जिससे छात्र परीक्षा भी दे सकें व सुरक्षित भी रह सकें। विवि प्रशासन को परीक्षा के निर्णय से पूर्व सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं पर विचार करना चाहिए। अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए परीक्षा आवश्यक है, लेकिन यह तभी हो जब परिस्थितियां परीक्षा के अनुकूल हों। - पीयूष मौर्या, बीए तृतीय वर्ष, लविवि

शासन के निर्देश पर ही अंतिम निर्णय

"लविवि ने परीक्षा की तैयारी कर ली है। शासन के निर्देश पर ही इसका आयोजन होगा। परीक्षा होने पर सभी की सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा जाएगा। इसका खर्च परीक्षा की मद से किया जाएगा। बार काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा एलएलबी अंतिम वर्ष को छोड़कर अन्य के मास प्रमोशन के सुझाव पर भी कोई निर्णय बैठक के बाद ही लिया जाएगा। -डॉ दुर्गेश श्रीवास्तव, प्रवक्ता लविवि

AMRIT VICHAR Page 3

नैक टीम के सदस्य बने प्रो. आलोक राय

अमृत विचार लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (नैक) की जनरल काउंसिल के सदस्य के रूप में नामित किया गया है। पूरे देश से केवल चार व्यक्तियों को नैक के प्रतिष्ठित जनरल काउंसिल के सदस्य के रूप में नामित किया जा सकता है और प्रो. राय उनमें से एक हैं। प्रो. राय को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष और नैक की सामान्य परिषद के अध्यक्ष प्रो. डीपी सिंह की ओर से नामित किया गया है। प्रोफेसर राय का नामांकन तीन साल की अवधि के लिए है। यहां यह उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने अंतर-विश्वविद्यालय केंद्रों की स्थापना की थी, जिसमें राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (नैक), बेंगलुरु एक स्वायत्त संगठन है जिसे 1994 में स्थापित किया गया था। नैक की प्राथमिक जिम्मेदारी उच्च शिक्षा के संस्थानों का मूल्यांकन एवं प्रत्यायन करना है।

NBT Page 4

नैक की जनरल काउंसिल के सदस्य बने एलयू वीसी

■ **एनबीटी, लखनऊः** लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (नैक) की जनरल काउंसिल के सदस्य के रूप में नामित हुए हैं। उनका नामांकन तीस साल की अवधि के लिए हुआ है। प्रो. राय को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष और नैक की सामान्य परिषद के अध्यक्ष प्रो. डीपी सिंह द्वारा नामित किया गया।

HINDUSTAN Page 4

लविवि कुलपति नैक काउंसिल सदस्य बने

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (नैक) की जनरल काउंसिल के सदस्य के रूप में नामित किया गया है।

प्रो. आलोक कुमार

इस संबंध में प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश ने बताया कि पूरे देश से केवल चार व्यक्ति एनएएसी के जनरल काउंसिल सदस्य के रूप में नामित किए जाते हैं। प्रो. आलोक राय को विवि अनुदान आयोग के अध्यक्ष और नैक की सामान्य परिषद के अध्यक्ष प्रो. डीपी सिंह ने सदस्य के रूप में नामित किया है। उन्हें 3 साल के लिए नामित किया गया है।

TOI Page 4

LU VC named NAAC general body member

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Lucknow university vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai was nominated as a member of the general council of the National Assessment and Accreditation Council (NAAC) in the category 'vice-chancellor of a state university' for a period of three years.

He was nominated by chairman of UGC Prof DP Singh, who is also president of NAAC's general council. The prime responsibility of NAAC, a subsidiary of UGC, is to grade universities on the basis of their strengths and weaknesses, thereby imporving quality of higher education imparted in the country.

DAINIK JAGRAN Page 4

लविवि में दाखिले के लिए आवेदन अब 30 जून तक

लखनऊ : लविवि ने प्रवेश परीक्षा फॉर्म जमा करने की तारीख बढ़ा दी है। रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार सिंह ने निर्देश जारी कर यूजी कोर्स, यूजी मैनेजमेंट प्रोग्राम, पीजी प्रोग्राम समेत एमएड प्रोग्राम के लिए आवेदन की तारीख 30 जून कर दी है। विवि के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि अभ्यर्थी अब 30 जून तक दाखिले के लिए आवेदन कर सकते हैं। (जासं)

TOI Page 4

Now, submit LU forms till June 30

LU on Friday extended the last date of filing undergraduate and postgraduate admission forms from June 13 to June 30. So far, around 60,000 students have registered for the UG and PG courses. Like every year, the maximum registrations are for B.Com followed by BA, BSc(mathematics) and LLB (Honours). TNN

i-Next Page 2

आलोक कुमार बने नैक की जनरल काउंसिल के मेम्बर

LUCKNOW(12 June inext): लखनऊ यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (नैक) की जनरल काउंसिल के सदस्य के रूप में नामित किया गया है. देश भर से केवल चार व्यक्तियों को नैक के जनरल काउंसिल के सदस्य के रूप में नामित किया जाता है. प्रो. राय को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष और नैक की सामान्य परिषद के अध्यक्ष प्रो. डीपी सिंह ने नामित किया है. प्रोफेसर आलोक राय का नामांकन तीन साल की अवधि के लिए है. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने अंतर-विश्वविद्यालय केंद्रों की स्थापना की थी, जिसमें राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद एक स्वायत्त संगठन है. इसे 1994 में स्थापित किया गया था. नैक की प्राथमिक जिम्मेदारी उच्च शिक्षा के संस्थानों का मूल्यांकन एवं एक्रिडिएशन करना है.

DAINIK JAGRAN Page 4

प्रो. आलोक बने नैक की जनरल काउंसिल के सदस्य

प्रो. आलोक राय

लखनऊ : लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद नैक की जनरल काउंसिल का सदस्य नामित किया गया है। देशभर से महज चार लोगों को नैक की जनरल काउंसिल के सदस्य के रूप में नामित किया जाता है। प्रो. राय को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष और नैक की सामान्य परिषद के अध्यक्ष प्रो. डीपी सिंह द्वारा नामित किया गया है। (जासं)

THE PIONEER Page 4

NOMINATED

Vice-Chancellor of Lucknow University Alok Kumar Rai has been nominated as the member of General Council of National Assessment and Accreditation Council (NAAC) in the category of VC of a state university. LU media spokesperson said that only four persons could be nominated as members of the General Council of NAAC from the country and Rai was one of them. "Prof Rai has been nominated by Prof DP Singh, chairman of University Grant Commission and president of the General Council of NAAC. His nomination is for a period of three years," he said. The University Grant Commission had established inter-university centres amongst which National Assessment and Accreditation Council (NAAC), Bengaluru, is one of the autonomous organisations established in 1994. The primary responsibility of NAAC is to carry out assessment and accreditation of institutions of higher education.

PIONEER Page 3

एलयू में दाखिले के लिए बढ़ी आवेदन तिथि

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना संक्रमण के चलते लॉक डाउन को देखते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय ने स्नातक व परास्नातक कोर्सों में दाखिले के लिए आवेदन की तिथि बढ़ा दी है। छात्र अब 30 जून तक बीए, बीकॉम, बीएससी समेत परास्नातक कोर्सों में दाखिले के लिए आवेदन कर सकते हैं। विवि के कुलसचिव डॉ विनोद कुमार सिंह के मुताबिक छात्रों के आग्रह के बाद आवेदन तिथि आगे बढ़ाई गई है। छात्र बीए, बीएससी, बीकॉम समेत स्नातक के मैनेजमेंट कार्यक्रम बीबीए व एमबीए पांच वर्षीय कोर्स में दाखिले के लिए 30 जून तक आवेदन कर सकते हैं। परास्नातक कोर्स एमएए एमकॉम व एमएससी में दाखिले की आवेदन तिथि बढ़ा दी गई हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति बने नैक के सदस्यः लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद की जनरल काउंसिल के सदस्य के रूप में नामित किया गया है। पूरे देश से केवल चार व्यक्तियों को नैक के प्रतिष्ठित जनरल काउंसिल के सदस्य के रूप में नामित किया जा सकता है और प्रो राय उनमें से एक हैं। प्रो. राय को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष और नैक की सामान्य परिषद के अध्यक्ष प्रो. डीपी सिंह द्वारा नामित किया गया है। प्रोफेसर राय का नामांकन तीन साल की अवधि के लिए है।